पोरेल-मैकगर्क की पारी से दिल्ली... 7 | भाजपा ने हिंदू को तो विपक्ष ने... 3 | लालू के मुस्लिम आरक्षण पर... 2

सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 10 ● अंकः 94 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार, 8 मई, 2024

मूल्य ₹ 3/-

कभी-कभी कुछ लोग कुछ कह कर अपनी एक प्रभावशाली छाप बना देते हैं, और कभी-कभी कुछ लोग चुप रहकर अपनी एक प्रभावशाली छाप बना देते हैं। -दलाई लामा

राहुल गांधी के जाल में फंसे मोदी

खुद कहने लगे अंबानी और अडानी ने कांग्रेस को दिया काला धन !

- » तीन चरणों के चुनाव के बाद बीजेपी के हाथ से निकली बाजी
- » चौथे चरण के लिए एक-दूसरे पर उछाले जाने लगे सवाल
- » मोदी व सोनिया ने फिर संभाली चुनावी कमान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जैसे-जैसे चुनाव आगे बढ़ रहा है वैस-वैसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का डर सामने आने लगा है। आज जो उन्होंने बोला उसकी सपने में भी किसी को उम्मीद नहीं थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस और शहजादे ने अंबानी और अडानी से झोला भर भरकर काला धन लिया है। मोदी के इस बयान से राजनैतिक गलियारो में हड़कंप मच गया क्योंकि निचले स्तर तक यह बात सभी जानते हैं कि अंबानी और अडानी मोदी के सबसे प्रिय लोगों में से एक हैं। दरअसल तीसरे चरण के चुनाव के बाद भाजपा की हालत बेहतर नज़र नहीं आ रही यूपी जैसा राज्य जिसे भाजपा अपना सबसे मजबूत किला मान रही थी उस राज्य में भी भाजपा को बहुत नुक़सान होता दिख रहा है।

पहले चरण में मायावती ने भाजपा के उम्मीदवारों को नुकसान पहुंचाया। मगर फिर ना जाने ऐसा क्या हुआ कि मायावती ने ना सिर्फ़ अपने कुछ टिकट बदले बल्कि कल के मतदान के बाद अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी के पदों से ही हटा दिया। राजनीतिक गलियारों में इस बात की चर्चा आम है कि मायावती ने यह कदम इसलिए उठाया क्योंकि उनका वोट बैंक कहे जाने वाले मतदाताओं ने कल इंडिया गठबंधन के पक्ष में वोट कर दिया था। प्रधानमंत्री को ये भी पता चला कि गाँवों में ये चर्चा आम हो गई है की ये सरकार पूंजीपतियों की है वह इस सूचना के बाद भी प्रधानमंत्री की घबराहट बढ़ना लाजिमी था ऐसे में प्रधानमंत्री के पास इस बात के अलावा कोई विकल्प नहीं था की वो खुद अंबानी और अडानी पर हमला करें। लेकिन मोदी का ये दाँव उल्टा पड़ गया लोग पूछने लगे कि अगर आम आदमी और अडानी कांग्रेस को काला धन दे रहे थे तो फिर मोदी सरकार ने इस काले धन को पकड़ा क्यों नहीं। ज़ाहिर है कि राहुल गांधी के हमले के बाद मोदी ने घबराकर ये बयान दिया मगर इससे उनकी ही फ़ज़ीहत हो रही है।

आरक्षण को बचाने के लिए इंडिया गठबंधन की ओर जा रहे वोटर : अखिलेश यादव

समाजवादी पार्टी के नेता और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, आकाश आनंद के मामले पर टिप्पणी की है। बहुजन समाज पार्टी की मुखिया और यूपी की पूर्व सीएम मायावती के उस फैसले पर टिप्पणी की है जिसमें उन्हें आकाश आनंद को अपने उत्तराधिकारी और नेशनल कोआर्डिनेटर पद से हटा दिया है। अखिलेश ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा- बसपा ने अपने संगठन में बड़े बदलाव का जो भी क़दम उठाया है वो उनकी पार्टी का आंतरिक विषय है। दरअसल इसके पीछे असली कारण ये है कि बसपा की एक भी सीट आती हुई नहीं दिख रही है क्योंकि बसपा के अधिकांश परंपरागत समर्थक भी इस बार संविधान और आरक्षण को बचाने के लिए इंडिया गठबंधन को ही वोट दे रहे हैं। इस बात को बसपा अपने संगठन की विफलता के रूप में ले रही है। सपा प्रमुख ने कहा कि- सच तो ये है कि जब बसपा का प्रभाव क्षेत्र होते हुए भी पिछले तीन चरणों में उनकी एक भी सीट नहीं आ रही है तो फिर बाकी के चार चरणों में तो कोई संभावना बचती ही नहीं है। ऐसे में हम सभी वोटरों से अपील करते हैं कि आप अपना वोट ख़राब न करें और जो बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर जी के संविधान को बचाने के लिए सामने से लड़ रहे हैं, इंडिया गठबंधन के उन प्रत्याशियों को वोट देकर जिताएं और संविधान के संग, आरक्षण भी बचाएं।

कांग्रेस के लिए जरूरी है फैमिली फर्स्ट और तुष्टिकरण : मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को तेलंगाना के करीमनगर में पहली बार अडाणी-अंबानी का नाम लेते हुए राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा- पिछले 5 सालों से कांग्रेस के शहजादे दिन-रात एक ही माला जपते थे। 5 उद्योगपति, अंबानी, अडाणी। लेकिन जब से चुनाव घोषित हुआ है, इन्होंने अंबानी-अडाणी को गाली देना बंद कर दिया है...क्यों? प्रधानमंत्री ने कहा- मैं कांग्रेस के शहजादे से पूछना चाहता हूं कि उन्हें अडाणी और अंबानी से कितना माल उठाया है? काला धन के बोरे भर के रुपए मारे हैं? कांग्रेस पार्टी को चुनाव के लिए उन उद्योगपतियों से कितना माल मिला? क्या टेंपो भरकर माल पहुंचा है? प्रधानमंत्री ने तेलंगाना की कांग्रेस और पूर्व की बीआरएस सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने दिल्ली शराब घोटाले का जिक्र किया। उन्होंने कहा- कांग्रेस और बीआरएस दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। दोनों भ्रष्टाचार की गोंद से एक-दूसरे से चिपके हुए हैं। दोनों का एक ही काम है- फैमिली फर्स्ट और तुष्टिकरण।

उन्होंने कहा- करप्शन कांग्रेस-बीआरएस का कॉमन कैरेक्टर है। ये दोनों एक दूसरे पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हैं। लेकिन, बैकडोर से दोनों एक ही करप्शन सिंडिकेट का हिस्सा हैं। इससे पहले प्रधानमंत्री ने करीमनगर पहुंचकर श्री राजा राजेश्वरी स्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना की। पीएम ने कहा- हमारा पूरा देश संभावनाओं से भरा हुआ है। लेकिन कांग्रेस पार्टी ने अपने पूरे शासनकाल में हमारे लोगों की क्षमता को बर्बाद करने के अलावा कुछ नहीं किया।

झूठ व नफरत फैलाने वालों को जनता करेगी खारिज : सोनिया

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने अपने एक संदेश में बीजेपी व मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने जनता से झूठ व नफरत फैलाने वालों को खारिज करने और सभी के लिए अधिक समान और उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करने के वास्ते कांग्रेस को वोट देने की अपील की। उन्होंने लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के मतदान के दिन यह अपील की है। सोनिया गांधी ने कहा कि कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन इंडिया के घटक दल संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने एक वीडियो संदेश मे कहा, झूठ और नफरत फैलाने वालों को खारिज करें और सभी के उज्ज्वल व समान भविष्य के लिए कांग्रेस को वोट दें। हाथ (कांग्रेस का चुनाव चिह्न) का बटन दबाएं। आइए मिलकर शांति और सद्भाव के साथ सभी के लिए एक मजबूत व अधिक एकजुट भारत का निर्माण करें। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि युवा बेरोजगारी की दर, महिलाओ के खिलाफ अपराध और दलितो, आदिवासियो व अल्पसंख्यकों के खिलाफ भेदभाव अभूतपूर्व स्तर पर पहुंच गया है। उन्होंने दावा किया कि ये चुनौतियां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा की नीयत और नीति से उपजी है, जिनका लक्ष्य समावेशिता और संवाद को खारिज करते हुए सत्ता हासिल करना है। गांधी ने कहा, हमारे संविधान और लोकतंत्र के खतरे मे होने, गरीबो को पीछे छोड़ दिए जाने और हमारे समाज के ताने-बाने को कमजोर किए जाने का दृश्य मुझे पीड़ा से भर देता है। आज मै एक बार फिर आपका समर्थन मांगती हूं।

लालू के मुस्लिम आरक्षण पर दिए बयान पर घमासान

» मोदी का पलटवार- कांग्रेस धर्म के आधार पर आरक्षण देने की वकालत कर रही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

धार। लोकसभा चुनाव के बीच भाजपा लगातार कांग्रेस पर आरोप लगा रही है कि कांग्रेस शासित राज्यों में ओबीसी, एससी और एसटी का आरक्षण मुस्लिमों को दिया जा रहा है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस धर्म के आधार पर आरक्षण देने की वकालत कर रही है। वहीं, आज राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष लालू यादव ने मुस्लिमों को आरक्षण देने पर टिप्पणी कर दी जिस पर सियासी घमासान मच गया।

मध्य प्रदेश के धार में एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा,कांग्रेस चुप है, लेकिन आज उसके एक सहयोगी ने इंडिया गठबंधन के इरादों की पुष्टि की। उनके नेता जो चारा घोटाले के सिलसिले में जेल में हैं और अदालत ने उन्हें सजा दी है। उनकी बेशर्मी तो देखो स्वास्थ्य की वजह से जमानत से बाहर आए हैं। जेल में कैद थे। उन्होंने कहा कि मुसलमानों को आरक्षण मिलना चाहिए और सिर्फ आरक्षण ही नहीं मिलना चाहिए बल्कि पूरा का पूरा आरक्षण मुसलमानों को मिलना चाहिए। इसका मतलब क्या हुआ यानी एससी, एससी और ओबीसी समाज को जितना आरक्षण मिला है उसे छीनकर पूरा का पूरा आरक्षण मुसलमानों को देना चाहते हैं। आखिर ये लोग ऐसा क्यों कर रहे हैं क्योंकि यही वो बैंक के सहारे वो अपना सांस गिन रहा है।

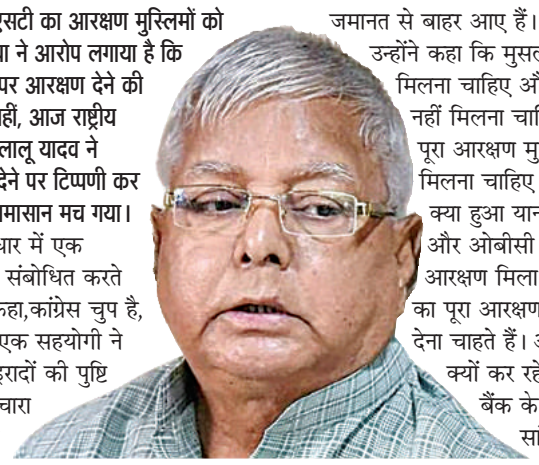

संविधान और लोकतंत्र को खत्म करना चाहते हैं मोदी : लालू यादव

राजद सुप्रिमो ने आज (07 मई) मीडिया से बातचीत करते हुए कह कि मुसलमानों को तो आरक्षण मिलना ही चाहिए। बता दें कि पीएम मोदी ने हाल ही में एक चुनावी सभा में मुस्लिम आरक्षण पर बयान दिया था। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा था कि वह पिछड़ों, वंचितों और आदिवासियों का आरक्षण मुसलमानों को नहीं जाने देंगे। वे संविधान और लोकतंत्र को खत्म करना चाहते हैं।

भाजपा और मोदी सरकार वंचित वर्गों के उत्थान की घोर विरोधी : तेजस्वी

मुसलमानों को आरक्षण के मामले पर राजद प्रमुख लालू प्रसाद का बयान आने के बाद अब नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को आरक्षण का सबसे बड़ा विरोधी बताया है। उन्होंने कहा कि आरक्षण के साथ ही भाजपा दलित, पिछड़ा, आदिवासी, गरीब एवं बहुजन विरोधी भी है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि बिहार में मात्र 17 महीनों में महागठबंधन की सरकार में हमारे नेतृत्व में सरकार ने राजद के सामाजिक न्याय, नीतियों एवं प्रतिबद्धता के चलते देश में पहली बार जाति आधारित गणना कराई और आरक्षण सीमा बढ़ाकर 75 प्रतिशत करने का ऐतिहासिक कार्य किया। उन्होंने कहा कि हमारी पहल पर ही बिहार कैबिनेट ने राज्य सरकार की नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में वंचित जातियों का आरक्षण 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 65 प्रतिशत किए जाने संबंधी संशोधित प्रविधानों को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करने के लिए केंद्र की मोदी सरकार से बार-बार अनुरोध किया, लेकिन आरक्षण विरोधी भाजपा सरकार ने गलत मंशा के चलते अभी तक इसे नौवीं अनुसूची में नहीं शामिल किया।

दिल्ली में भाजपा हार रही है : गोपाल राय

» बोले- केजरीवाल ने फ्री बिजली पानी, शिक्षा समेत कई सुविधाएं दीं वक्त आ गया है कर्ज उतारने का

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश संयोजक एवं कैबिनेट मंत्री गोपाल राय ने दक्षिणी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र के छतरपुर और मेहरौली विधानसभा में जेल का जवाब वोट से कैंपेन के तहत संकल्प सभा की। यहां से इंडिया गठबंधन के आप प्रत्याशी सहीराम पहलवान के समर्थन में आयोजित सभा में भारी तादात में मौजूद लोगों ने जेल का जवाब वोट से देने की शपथ ली।

गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली की जनता भाजपा की हार इसलिए कह रही है, क्योंकि भाजपा को दिल्लीवालों ने वोट देकर सांसद बनाया, लेकिन कोई काम करने नहीं आया। इसलिए लोग नराज हैं। इसलिए लोग काम करने वाला सांसद चाहते हैं। भाजपा दिल्ली में लोकसभा चुनाव इसलिए जीत जाती थी, क्योंकि आम आदमी पार्टी और कांग्रेस अलग-अलग चुनाव लड़ती थी और वोट बंट जाता था।

तानाशाह सरकार को अपने वोट से जवाब देंगे

गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली समेत पूरे देश में भाजपा की तानाशाही के खिलाफ लोग अपनी आवाज बुलंद कर रहे हैं। दस साल से छात्र, किसान, मजदूर, महिलाएं, आदिवासी मोदी सरकार की तानाशाही से परेशान थे, वो सब लोग अपने वोट से जवाब दे रहे हैं। दिल्ली में जिस तरह से इन्होंने चुने हुए मुख्यमंत्री को गिरफ्तार किया, दिल्ली की जनता में ज्यादा आक्रोश है। लोग इस तानाशाही का मुकाबला 25 मई को अपने वोट से करने की तैयारी कर रहे हैं।

राम मंदिर बेकार है, पूरा नक्शा खराब है : रामगोपाल

» समाजवादी पार्टी के नेता के बयान से खड़ा हुआ विवाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण की वोटिंग के दौरान राम मंदिर का मुद्दा एक बार फिर से चर्चा का विषय बना हुआ है। समाजवादी पार्टी के नेता रामगोपाल यादव ने मंदिर को लेकर विवादित बयान दिया है। जिसके कारण एक बार फिर से राम मंदिर का मुद्दा गरमा गया है।

आपको बता दे कि तीसरे चरण में केंद्रीय मंत्री एस. पी. सिंह बघेल (आगरा), उत्तर प्रदेश के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह (मैनपुरी) और राजस्व राज्य मंत्री अनूप प्रधान वाल्मीकि (हाथरस) की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। लोकसभा चुनाव का यह दौर समाजवादी पार्टी के यादव परिवार के लिए भी महत्वपूर्ण है। डिंपल यादव मैनपुरी लोकसभा सीट को बरकरार रखने के लिये प्रयास कर रही हैं, जिसे उन्होंने अपने ससुर और सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद हुए उपचुनाव में जीता था। राम गोपाल यादव के बेटे अक्षय यादव फिरोजाबाद सीट को फिर से हासिल करने की कोशिश करेंगे। इस सीट को उन्होंने 2014 में जीता था। बदायूं लोकसभा सीट से चुनावी शुरुआत कर रहे आदित्य यादव सपा का गढ़ मानी जाने वाली इस सीट को जीतना चाहेंगे।

हिंदू विरोधी चेहरा और इंडिया गठबंधन का एजेंडा उजागर : पूनेवाला

राम गोपाल यादव के इस बयान पर भाजपा आक्रामक हो गयी है। शहजाद पूनेवाला ने करारा जवाब देते हुए राम गोपाल यादव के बयान की आलोचना की है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर करते हुए कहा कि इंडिया गठबंधन द्वारा राम मंदिर पर चौंकाने वाली और सबसे अपमानजनक टिप्पणी में सपा नेता रामगोपाल यादव का कहना है यह बेकार है, इसकी संरचना सही नहीं है उसी आरजीवाई ने राम भक्ति के लिए पाखंड कहा था और उनकी पार्टी का राम भक्तों पर गोलीबारी का इतिहास है। हिंदू विरोधी चेहरा और इंडिया गठबंधन का एजेंडा दिन के उजाले की तरह स्पष्ट है।

बृजभूषण सिंह व अन्य पर आरोप तय करने का फैसला टला

» महिला पहलवानों से यौन उत्पीड़न का मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अदालत ने महिला पहलवानों से यौन उत्पीड़न मामले में आरोपी भाजपा सांसद और डब्ल्यूएफआई के पूर्व प्रमुख बृजभूषण सिंह व अन्य के खिलाफ आरोप तय करने पर आदेश एक बार फिर टाल दिया। आदेश पिछले कई माह से लंबित है। राउज एवेन्यू कोर्ट की अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट (एसीएमएम) प्रियंका राजपूत ने कहा, आदेश अब 10 मई को सुनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि आदेश में कुछ अंतिम बदलाव किए जाने थे और यह तैयार नहीं है। पिछले महीने न्यायाधीश ने मामले में आगे की जांच करने और आरोप तय करने पर और दलीलें पेश करने की मांग करने वाली सिंह की अर्जी खारिज कर दी थी।

अपरिपक्व होने की वजह से आकाश आनंद को हटाया : मायावती

» बोलीं- बसपा डॉ. आंबेडकर के कारवां को आगे बढ़ाने में जुटी रहेगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सीतापुर में भड़काऊ भाषण देना बसपा के नेशनल कोआर्डिनेटर और बसपा सुप्रीमो मायावती के उत्तराधिकारी आकाश आनंद पर भारी पड़ गया। मायावती ने उन्हें दोनों अहम जिम्मेदारियों से अलग कर दिया। इसकी वजह उनका अपरिपक्व होना बताया गया है। बता दें कि आकाश आनंद ने सीतापुर में जनसभा के दौरान भाजपा नेताओं की तुलना आतंकवादियों से की थी। साथ ही, उन्हें जूतों से मारने की बात कही थी।

आकाश आनंद के इस भड़काऊ भाषण के बाद उनके खिलाफ मुकदमा भी दर्ज हुआ था, जिसमें पार्टी के तीन प्रत्याशियों को भी नामजद किया गया था। मायावती ने इसे बेहद गंभीरता से लेते हुए आकाश आनंद की रैलियों के आयोजन पर रोक लगा दी थी। इसके बावजूद वह दिल्ली में पार्टी समर्थकों, छात्रों, शिक्षकों आदि से संपर्क साधते रहे और विपक्षी नेताओं को लगातार निशाने पर लेते रहे। बसपा सुप्रीमो ने एक्स पर बयान जारी करके उनको नेशनल कोआर्डिनेटर के पद और अपने उत्तराधिकारी की जिम्मेदारी से हटाने का ऐलान किया। हालांकि उन्होंने आकाश आंनद के पिता और अपने भाई आनंद कुमार को पार्टी व मूवमेंट के हित में पहले की तरह अपनी जिम्मेदारी निभाते रहने की बात भी कही। बसपा का नेतृत्व पार्टी व मूवमेंट के हित में एवं डॉ. आंबेडकर के कारवां को आगे बढ़ाने में हर प्रकार का त्याग व कुर्बानी देने से पीछे हटने वाला नहीं है।

अब युवाओं को देंगे मौका : दिग्विजय

बोले- ये मेरे जीवन का आखिरी चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजगढ़ लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी व पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने मतदान के दौरान मतदाताओं से भावुक अपील की है। उन्होंने कहा, ये मेरा आखिरी चुनाव है। इसके साथ ही दिग्विजय सिंह ने चुनाव आयोग से वोटिंग के दौरान गड़बड़ियों की शिकायत की है। दिग्विजय सिंह ने मतदाताओं से दिल की बात कही है। इसके बाद वह चुनाव नहीं लड़ेंगे।

हालांकि, वह राजनीति में सक्रिय रहेंगे। साथ ही लोगों की समस्याओं को हल करने के लिए हमेशा की तरह काम करते रहेंगे। बता दें कि इस प्रकार की बातें दिग्विजय सिंह चुनाव-प्रचार के दौरान भी करते रहे हैं। लेकिन वोटिंग के दौरान इस प्रकार की घोषणा अहम है। इधर, दिग्विजय सिंह ने राजगढ़ लोकसभा सीट पर हो रही वोटिंग में कई जगहों पर गड़बड़ी के आरोप लगाए हैं। इस बारे में उन्होंने चुनाव आयोग से शिकायत की है। दिग्विजय सिंह ने वीडियो जारी करते हुए चुनाव आयोग और मशीन में गड़बड़ी के आरोप लगाए। दिग्विजय सिंह ने वीडियो में कहा, साथियों हमे उम्मीद थी कि चुनाव आयोग राजगढ़ के रिटर्निंग ऑफिसर और ऑब्जर्वर हमारे साथ न्याय करेंगे। लेकिन पंकज यादव जिस पर ऐसा कोई प्रकरण नहीं हैं, उसे थाने में बैठा लिया गया। जबकि उससे बड़ी धाराओं में अपराध करने वाले भाजपा के लोग खुलेआम घूम रहे हैं।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

'वोट बैंक' पर सियासी नजर

भाजपा ने हिंदू को तो विपक्ष ने मुस्लिम वोटों को साधा

» लालू व नायडू मुस्लिम आरक्षण के पक्ष में

» बीजेपी भड़की, बोली- धर्म के आधार पर कोई कोटा नहीं

गीताश्री/4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तीसरे चरण की वोटिंग के बीच आगे की चरणों पर नेताओं की नजर जमी हुई है। सभी सियासी दल अपने-अपने वोट बैंक पर निगाहें लगाए हुए हैं। जहां बीजेपी व उसके सबसे बड़े नेता मोदी चुनावी प्रचार के दौरान जमकर हिंदू व मुस्लिम कर रहे है तो वहीं विपक्ष भी मुस्लिमों को रिझाने की कोई कोर कसर नही छोड़ना चाहता है। उधर लालू के मुस्लमों को आरक्षण देने के बयान पर बीजेपी भड़क गई है। वहीं ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि सभी दल मुस्लिम वोट तो चाहते हैं, लेकिन वे समुदाय से कोई प्रत्याशी नहीं तलाश पाते हैं। ऐसा नहीं कि केवल विपक्ष ही मुस्लिमों का हितैषी बन रहा है।

राजग में बीजेपी की सहयोगी टीडीपी के नेता चंद्र बाबू नायडू ने मुस्लिम आरक्षण के पक्ष में बोला है। अब इससे बीजेपी असहज हो गई है। हालांकि इस पर कोई प्रतिक्रिया अभी नही आई है। उधर बिहार के पूर्व सीएम ने कहा कि बीजेपी डरी हुई है क्योंकि वह लोकसभा चुनाव हार रही है। लालू ने कहा, वोट हमारे पक्ष में हैं... वे कह रहे हैं कि जंगल राज होगा क्योंकि वे डरे हुए हैं, वे भड़काने की कोशिश कर रहे हैं, वे संविधान और लोकतंत्र को खत्म करना चाहते हैं। कांग्रेस के इस आरोप के जवाब में कि भाजपा संविधान में संशोधन कर सकती है और आरक्षण खत्म कर सकती है, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को दृढ़ता से कहा कि वह दलितों, आदिवासियों और ओबीसी के लिए आरक्षण की रक्षा करेंगे, यह सुनिश्चित करेंगे कि इसे केवल धर्म के आधार पर मुसलमानों तक न बढ़ाया जाए। उन्होंने 2004 और 2009 में अपने कार्यकाल के दौरान अविभाजित आंध्र प्रदेश में तुष्टीकरण की राजनीति का प्रयोग करने के लिए कांग्रेस की आलोचना की, और आरोप लगाया कि उसने मुसलमानों को बीसी के लिए आरक्षण दिया और अपनी स्थापना के बाद से संविधान के प्रति दुश्मनी रखी।

अपने सहयोगियों में उलझी बीजेपी

» जेडीएस नेता रेवन्ना के बाद नायडू की वजह से भाजपा फंसी

चुनाव में राजग से जुड़े कई क्षेत्रीय दल भाजपा की सिरदर्दी बढ़ा रहे हैं। कर्नाटक में पार्टी अपनी सहयोगी जद (एस) से जुड़े नेताओं प्रज्वल रेवन्ना और एचडी रेवन्ना के सेक्स स्कैंडल में उलझी है। इसी बीच आंध्र प्रदेश में पार्टी की सहयोगी टीडीपी ने ओबीसी आरक्षण में मुस्लिम कोटे का समर्थन किया है। गौरतलब है कि इस मुद्दे पर पीएम मोदी समेत पूरी भाजपा विपक्ष पर हमलावर है और इसे ओबीसी की हकमारी से जोड़ रही है। बिहार में जदयू समेत दूसरे सभी सहयोगी भाजपा पर निर्भर हो कर चुनाव लड़ रहे हैं। सभी सहयोगी दल अपने हिस्से की सीट पर पीएम मोदी और यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ की जनसभा कराने पर जोर दे रहे हैं। यहां भाजपा की रणनीति सहयोगियों की बदौलत राजद के एम-वाई (मुस्लिम-यादव) समीकरण से पार पाने की है। साल 2014 के चुनाव में पार्टी ने लोजपा, कुशवाहा के साथ तो बीते चुनाव में लोजपा, जदयू के साथ सफल सोशल इंजीनियरिंग की थी।

धर्म के आधार पर आरक्षण के खिलाफ थे बीआर अंबेडकर : योगी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लालू के बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री यही कह रहे हैं कि इंडी गठबंधन से जुड़े दल, चाहे वे कांग्रेस हों, राजद हों, समाजवादी पार्टी हों, वे ओबीसी, एससी और एसटी के आरक्षण में गड़बड़ी करने की कोशिश करेंगे और उनके घोषणापत्र में इसका उल्लेख है। जब कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार सत्ता में थी, तो राजद और समाजवादी पार्टी दोनों उसके घटक थे। योगी ने कहा कि उस समय इन लोगों ने रंगनाथ मिश्र समिति और सच्चर समिति का गठन किया था। रंगनाथ मिश्रा कमेटी ने मुसलमानों को 6 प्रतिशत आरक्षण देने की सिफारिश की थी, जिसका उस समय भारतीय जनता पार्टी ने कड़ा विरोध किया था। बीआर अंबेडकर धर्म के आधार पर आरक्षण के खिलाफ थे...लोगों को अपने वोट के जरिए उन्हें जवाब देना चाहिए और उन्हें अस्वीकार करें।

टीडीपी प्रमुख ने सत्ता में आने पर मुसलमानों के लिए चार फीसदी आरक्षण की घोषणा की

टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू ने सत्ता में आने पर मुसलमानों के लिए चार फीसदी आरक्षण की घोषणा की है। दरअसल, राज्य में मुस्लिम मतदाता 40 से 50 विधानसभा सीटों पर प्रभावी हैं। नायडू इस घोषणा के जरिये इस वोट बैंक को अपने पक्ष में मोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। यूपी में बीते एक दशक से पार्टी के सहयोगी रहे दल के वरिष्ठ नेता के मुताबिक, हर बार चुनाव से पहले संयुक्त रणनीति बनाने के लिए राजग की बैठक होती थी। बीते चुनाव में भी पीएम मोदी गठबंधन के नेताओं के साथ भोज में मिले थे। इस बार ऐसा कुछ नहीं हुआ। दो चरण के मतदान संपन्न होने के बावजूद सहयोगी दलों को प्रचार के लिए पूछा नहीं जा रहा। कहीं भी संयुक्त प्रचार की रणनीति नहीं है। यूपी में पहले दो चरणों में एक बार आरएलडी प्रमुख जयंत संयुक्त जनसभा में दिखे, बिहार में इसी प्रकार सीएम नीतीश दो बार संयुक्त जनसभा में दिखे। इसके बाद ऐसा कोई संयोग नहीं बना।

जिनकी राजनीति पहले खान या बान पर आधारित थी वह अब नमाज के बारे में बात कर रहे : ओवैसी

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र में सभी दल मुस्लिम वोट तो चाहते हैं लेकिन उन्होंने समुदाय से किसी प्रत्याशी को मैदान में नहीं उतारा है। ओवैसी ने दावा किया कि औरंगाबाद के उनकी पार्टी के सांसद इम्तियाज जलील को हराने के लिए विभिन्न दल घेराबंदी कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया ''राजनीतिक दल मुसलमानों से वोट मांग रहे हैं लेकिन उन्हें महाराष्ट्र की 48 सीट में से किसी भी सीट पर समुदाय से कोई उम्मीदवार नहीं मिल पाया। उन्हें अन्य किसी क्षेत्र के परिणाम की चिंता नहीं है, लेकिन दो शिवसेना, दो राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और आधी कांग्रेस यहां जलील को हराने के लिए आ गई है।'' शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट) उम्मीदवार चंद्रकांत खैरे की आलोचना करते हुए एआईएमआईएम प्रमुख ने कहा कि खैरे खुद को हिंदुत्व नेता कहते थे लेकिन जब उन्हें मतदाताओं (मुस्लिम) के महत्व का एहसास हुआ तो यहां ईदगाह पहुंच गए। उन्होंने कहा, '' जिनकी राजनीति पहले 'खान या बान' (या तो मुसलमान या हिंदू) पर आधारित थी वह अब नमाज के बारे में बात कर रहे हैं।'' शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे को ''नया धर्मनिरपेक्ष'' करार देते हुए ओवैसी ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री को बाबरी मस्जिद विध्वंस के बारे में अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए और बताना चाहिए कि यह ''पाप था या नहीं।

कर्नाटक में कांग्रेस सरकार प्रज्वल की दुष्कर्म पीड़िताओं को वित्तीय सहायता देगी

कर्नाटक में कांग्रेस सरकार जद (एस) नेता प्रज्वल रेवन्ना द्वारा कथित तौर पर यौन उत्पीड़न की शिकार बनाई गईं महिलाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करेगी। कांग्रेस महासचिव और पार्टी के कर्नाटक प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने मुख्यमंत्री सिद्धरमैया की मौजूदगी में यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मांग की थी कि आरोपियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाए। सुरजेवाला ने कहा, मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने सैकड़ों की संख्या में दुष्कर्म पीड़ितिाओं को वित्तीय सहायता की घोषणा की है, क्योंकि यह एक विशिष्ट मामला है जो पिछले 75 वर्षों में कभी नहीं हुआ है। हासन लोकसभा क्षेत्र से जद (एस)-भाजपा गठबंधन के उम्मीदवार प्रज्वल पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के पोते और पूर्व मुख्यमंत्री एच. डी. कुमारस्वामी के भतीजे हैं। सिद्धरमैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के साथ सुरजेवाला ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर उनके गठबंधन सहयोगी जद (एस) उम्मीदवार को बचाने का आरोप लगाया। प्रज्वल पर कई महिलाओं से दुष्कर्म का आरोप है। उन्होंने पूछा, प्रज्वल के बारे में जानकारी होने के बावजूद भारतीय जनता पार्टी ने जद (एस) के साथ गठबंधन क्यों किया? सिद्धरमैया ने यह भी जानना चाहा कि विदेश मंत्रालय ने प्रज्वल को विदेश भागने से क्यों नहीं रोका। सुरजेवाला ने सवाल किया, प्रधानमंत्री ने प्रज्वल का राजनयिक पासपोर्ट रद्द क्यों नहीं किया और उसे वापस लाने के लिए इंटरपोल के माध्यम से कोई ब्लू कॉर्नर नोटिस क्यों जारी नहीं किया गया? इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रज्वल को वापस लाने के लिए ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किया जाएगा।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

आवश्यक है आंतरिक दस्तावेजों का संरक्षण

भारत के शीर्ष अदालत ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा कि हिस्ट्रीशीट पुलिस का आंतरिक दस्तावेज है और इसे सार्वजनिक नहीं किया जा सकता। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में सभी राज्यों से अपराधियों के खिलाफ हिस्ट्रीशीट की नीति स्पष्ट करने के निर्देश भी दिए। ये फैसला मानवीय दृष्टि से एक अच्छा फैसला है। असल में कोई अपराधी व्यक्तिगत रुप से खुद अपराध करता है और जब वह सजा पा जाता है तो उसके बाद उसके परिवार को भी दंश झेलना पड़ता है। ऐसा इसलिए भी होता है कभी-कभी अपराधी का आपाराधिक इतिहास जब सर्वजनिक हो जाता है तो समाज में तो प्रतिष्ठा नहीं मिलती है परिजनों को भी सामाजिक बहिष्कार का सामना करना पड़ता है। ऐसे में यह फैसला इन सब परेशानियों से बचा सकता है। शीर्ष कोर्ट ने स्वत: संज्ञान लेते हुए आर्थिक, सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े लोगों को खिलाफ दर्ज हिस्ट्रीशीट में छेड़छाड़ करने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया।

दरअसल, दिल्ली की ओखला विधानसभा सीट से आप विधायक अमानतुल्लाह खान के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने विभिन्न मामलों में 18 मुकदमे दर्ज किए थे। पुलिस ने इन मामलों में जो हिस्ट्रीशीट तैयार की थी, जिसमें अमानतुल्लाह खान को बुरे चरित्र वाला बताया गया था। दिल्ली पुलिस के इस फैसले के खिलाफ अमानतुल्लाह खान ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। उसी याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने हिस्ट्रीशीट को पुलिस का आंतरिक दस्तावेज बताया। अमानतुल्लाह खान के वकील ने कहा कि अधिकारियों ने दुर्भावनापूर्ण तरीके से काम किया। अमानतुल्लाह खान ने अपनी याचिका में सवाल उठाया कि दिल्ली पुलिस ने हिस्ट्रीशीट में उनके नाबालिग बेटों और पत्नी के नाम भी सार्वजनिक किए हैं। इस पर जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि अगर किसी पुलिस अधिकारी ने जानबूझकर अमानतुल्लाह खान के नाबालिग बेटों की पहचान हिस्ट्रीशीट में उजागर की है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाए। वहीं बाम्बे हाई कोर्ट भी एक मामला आया था। जिसके अनुसार अगर कोई याचिकाकर्ता अपने मामले पर खुद बहस करना चाहता है, तो उसे पहले हाईकोर्ट के रजिस्ट्री विभाग के अधिकारियों वाली दो सदस्यीय समिति के सामने पेश होना पड़ता है। समिति द्वारा मामले की जांच करने और याचिकाकर्ता से बात करने के बाद एक रिपोर्ट तैयार की जाती है। रिपोर्ट में यह बताया जाता है कि याचिकाकर्ता अपने मामले पर अदालत में खुद बहस कर सकता है या नहीं। जब याचिकाकर्ता को इस योग्य समझा जाता है, तो उसे यह वचन देना होता कि वह अदालत की कार्रवाई में कोई व्यवधान नहीं डालेगा।

“ असल में कोई अपराधी व्यक्तिगत रुप से खुद अपराध करता है और जब वह सजा पा जाता है तो उसके बाद उसके परिवार को भी दंश झेलना पड़ता है। ऐसा इसलिए भी होता है कभी-कभी अपराधी का आपाराधिक इतिहास जब सर्वजनिक हो जाता है तो समाज में तो प्रतिष्ठा नहीं मिलती है परिजनों को भी सामाजिक बहिष्कार का सामना करना पड़ता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

गंगा-जमुनी संस्कृति पर चोट करते तल्खी के बोल

श्याम सरन

भारत की अपार विविधता इसकी मजबूत हकीकत है। कोई राजनीतिक दल, भले ही कितना ताकतवर और किसी विचारधारा विशेष से चालित हो, वह इसको एकांगी रंग में रंगने में सफल नहीं हो पाएगा। हमारी संस्कृति साझापन लिए है, लेकिन जोर साझेदारी के पहलू पर है न कि पालना में। यह चौरास्तों की संस्कृति है, जिसने हजारों सालों के दौरान विविध प्रभावों के सुमेल से वजूद पाया है। जहां भौगोलिक रूप से यह भूभाग थलीय काफिला-मार्गों का चौराहा है, जो मध्य एशिया से होकर आगे भूमध्य सागर तक जाते थे। वहीं इसके सुदूर दक्षिणी छोर के बंदरगाह हिंद महासागर के पूरबी और पश्चिमी छोरों को जोड़ने का काम करते रहे। जिस प्रकार भारतीय धर्म और राजनीतिक विचार, भाषाएं, कला और वास्तुकला का प्रवाह इस उप-महाद्वीप से निकल दूसरे देशों में फैला, ठीक इसी तरह उन मुल्कों का प्रभाव भी समस्त भारतवर्ष पर बना। नाना देशों से आई विविध खूबियां भारतीय संस्कृति और इसके लोगों के स्वभाव में रच-बस गईं और जन्मजात महानगरीय संस्कृति विरासत में मिलती गई, यह विशेषता भारतीयों को विश्वभर में सबसे अधिक अनुकूलनशील बनाती है। देखा जाए, हम संसार के मूल वैश्विक नागरिक हैं।

जब भारत ने पिछले साल सितम्बर माह में जी-20 शिखर सम्मेलन आयोजित किया था तो इसका आदर्श वाक्य वसुधैव कुटुम्बकम था, जो हमारी इस खूबी को सबसे अच्छी तरह परिभाषित करता था। लेकिन किसी के लिए समस्त विश्व को गले लगाने की शुरुआत पहले अपने देश के लोगों को बांहों में भरने से होनी चाहिए। यह भी एक कारण है कि क्योंकर संविधान की पूर्व-प्रस्तावना में जितना अधिमान आजादी और समानता को दिया गया है उतना ही बंधुत्व को भी। भारत जैसे विविधता भरे मुल्क के लिए बंधुत्व की अहमियत खासतौर पर है। यह आपसी प्यार की भावना का निर्माण करता है जो विविध जातियों, प्रजातियों या सम्प्रदायों और उनकी जीवनशैली के बीच अंतर के प्रति एक-दूसरे को सहिष्णु बनाता है। यह बंधुत्व ही है जो हमारी राष्ट्रीयता की असल नींव है। यह साझा हित एवं साझा राष्ट्रीय मिशन का लक्ष्य पाने में संबद्धता एवं संलग्नता बनाता है।

संविधान का स्वरूप बनाने वालों को पता था कि भारतीय राष्ट्रवाद का निर्माण इसके लोगों की बहुरंगी पहचान

को मान्यता देकर होगा है न कि दबाकर। तथापि, अंतिम विश्लेषण में, वे पूरी तरह आश्वस्त न थे कि क्या भारतीय लोग अपनी अलग पहचान का संतुलन समान नागरिकता के अति महत्वपूर्ण सिद्धांत से सही ढंग से बैठा पाएंगे या नहीं। अपने अंतिम (मौजूदा) रूप में आते-आते और समय-समय पर हुए संशोधनों और विधायिका द्वारा पारित कानून धीरे-धीरे राज्यसत्ता को नागरिक अधिकारों की एवज पर बलपूर्वक मनमर्जी चलाने की ताकत से लैस करते गए। राज्यसत्ता किन्हीं पहचान रखने वालों की निरंकुशता चलने देने और अन्यों के मामले में दमन करने वाला पक्षपाती रुख रखने लगी, वह जो मौके के मुताबिक राजनीतिक हित स्वार्थ साधने में सबसे उपयुक्त हो। किन्हीं विशेष पहचान वालों पर राष्ट्रीय एकता बनाए रखने की आड़ में दमन तो वहीं दूसरों (अपने लोगों) को राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के नाम पर प्रोत्साहित करना और यहां तक कि वैधता देना। राज्यसत्ता ने मीडिया और सूचना चैनलों पर नियंत्रण और प्रभाव बना लिया ताकि कुछ सम्प्रदायों को खलनायक तो अपने वाले को श्रेष्ठ बनाकर पेश किया जा सके। ऐसा होने पर, राजनीतिक भड़काऊ भाषण वक्त की रणनीति का पूरक बन जाते हैं। इस प्रकार के नफरती बोल अक्सर ऊंचे उन्मादी सुर में चिल्ला-चिल्ला कर कहे जाते हैं ताकि अन्य सभी तार्किक मुद्दे डूब जाएं। लोकतंत्र में, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव करवाना एक अभिन्न अंग है, लेकिन यही काफी नहीं। एक स्वतंत्र मीडिया और एक जीवंत सिविल सोसायटी आम नागरिक के अधिकारों पर राज्यसत्ता के निरंकुश व्यवहार से रोकने में प्रहरी का काम करते हैं। एक सशक्त और स्वतंत्र न्यायपालिका की भूमिका भी यही है। इतिहास में, ऐसे मामले हैं जब राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्रीय एकता की दलीलों का इस्तेमाल स्वतंत्र संस्थानों, विरोध का सुर उठाने वालों और अतंत: राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों पर राष्ट्रविरोधी होने का ठप्पा लगाकर, उन्हें गैर-कानूनी बनाने में किया गया।

भारत अपने 18वें आम चुनाव के मतदान चरणों से गुजर रहा है। यह गर्व की बात है कि विगत में देश हर पांच साल में अभूतपूर्व पैमाने के चुनाव सफलतापूर्वक संपन्न करवाता आया है और विजयी पक्ष को सत्ता का हस्तांतरण बिना हिंसा या चुनौती के निर्विघ्न होता रहा। एक स्वतंत्र चुनाव आयोग सुनिश्चित करता है कि तमाम राजनीतिक दल और राजनेता अपने चुनावी अभियानों में नियमों में बंधकर ही वोट मांगेंगे।

क्रोध की आंधी में बुझ जाता है विवेक का दीप

एक दार्शनिक ने कहा है— 'क्रोध वह आंधी है, जिसके आने पर बुद्धि का दीपक स्वत: बुझ जाता है।' तब लाख टके का सवाल यह पैदा होता है कि क्रोध आता क्यों है? सभी जानते और मानते हैं कि क्रोध जीवन का सर्वनाश कर देता है, फिर भी हम इस क्रोध की ज्वाला को शांत क्यों नहीं कर पाते?

डॉ. योगेन्द्र नाथ शर्मा 'अरुण'

आजकल समाज में प्राय: देखा जा रहा है कि लोगों की सहन-शक्ति कम हो रही है और जरा-जरा सी बात पर क्रोध भड़कने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। 'रोड-रेज' की घटनाएं इन दिनों आपको प्रतिदिन जहां-तहां सुनने को मिलती रहती हैं। क्रोध मनुष्य के जीवन का सबसे बड़ा शत्रु है, यह हमारे धर्मशास्त्रों में बताया गया है, लेकिन इन दिनों तो जिसे देखिए, वही क्रोध की ज्वाला में धधकता मिलता है। एक दार्शनिक ने कहा है— 'क्रोध वह आंधी है, जिसके आने पर बुद्धि का दीपक स्वत: बुझ जाता है।' तब लाख टके का सवाल यह पैदा होता है कि क्रोध आता क्यों है? सभी जानते और मानते हैं कि क्रोध जीवन का सर्वनाश कर देता है, फिर भी हम इस क्रोध की ज्वाला को शांत क्यों नहीं कर पाते? मनोविज्ञानी मानते हैं कि व्यक्ति के भीतर जब 'हीनता की भावना' प्रबल हो जाती है और उसकी बात नहीं मानी जाती, तो वह क्रोध से भर उठता है। कहा तो यह भी गया है-

'क्रोध कभी मत कीजिए, करे शांति को भंग।
शीतल मन नित राखिए, जीवन भरे उमंग।'

क्रोध पर विचार करते हुए आज एक बड़ी ही कारुणिक लोककथा पढ़ने को मिली, जिसने मुझे बरबस रुला दिया है। यह लोककथा आपको भी दे रहा हूं। एक गांव में एक विधवा औरत और उसकी 6-7 साल की बेटी रहते थे। किसी प्रकार गरीबी में वे दोनों अपना गुजर-बसर करते थे। एक बार मां सुबह-सवेरे घास लेने के लिए गयी और घास के साथ ही झाड़ियों में उगने वाला फल 'काफल' भी तोड़ के लायी। बेटी ने काफल देखे, तो बड़ी खुश हुई। मां ने बेटी से कहा कि मैं खेत में काम करने जा रही हूं, दिन में जब लौटूंगी, तब काफल खाएंगे। मां ने वे काफल टोकरी में रख दिए। बेटी दिन भर काफल खाने का इंतजार करती रही। बार-बार टोकरी के ऊपर रखे कपड़े को उठाकर देखती और काफल के खट्टे-मीठे रसीले स्वाद की कल्पना करती, लेकिन उस आज्ञाकारी बच्ची ने एक भी काफल उठाकर नहीं चखा। प्रतीक्षा में बैठी रही कि जब मां आएगी, तब दोनों ये काफल खाएंगे। आखिरकार मां आई! बच्ची दौड़ के मां के पास गयी और बोली, 'मां, मां! अब काफल खाएं?' 'थोड़ा सांस तो लेने दे छोरी' मां बोली।

फिर मां ने काफल की टोकरी निकाली, उसका कपड़ा उठा कर देखा, 'अरे! ये क्या? काफल कम कैसे हुए?' गुस्से में मां ने पूछा, 'तूने खाये क्या?' बेटी बोली, 'नहीं मां, मैंने तो चखे तक भी नहीं!' जेठ की तपती दुपहरी में मां का दिमाग पहले ही गर्म था, अब भूख और तड़के उठ कर लगातार काम करने की थकान के कारण मां को बच्ची के झूठ बोलने से बहुत गुस्सा आ गया।

मां ने जोरों से एक झांपड़ बच्ची के सिर पर दे मारा। बच्ची उस जोरदार अप्रत्याशित वार से तड़प कर नीचे गिर गयी और 'मैंने काफल नहीं चखे मां' कहते-कहते उसके प्राण पखेरू उड़ गए! अब जैसे ही मां का क्षणिक आवेश उतरा, तो उसे होश आया! वह बच्ची को गोद में लेकर प्रलाप करने लगी! 'ये क्या हो गया! मुझ दुखियारी का एकमात्र सहारा यह बेटी ही तो थी। उसे भी अपने ही हाथ से मैंने खत्म कर दिया? वो भी तुच्छ से काफल की खातिर! आखिर ये लायी किसके लिए थी? इसी बेटी के लिये ही तो! तो क्या हुआ था, जो उसने थोड़े खा ही लिए थे?' रोते-बिलखते मां ने उठा कर काफल की वह टोकरी बाहर फेंक दी और रात भर वह बैठी रोती- बिलखती रही। हुआ यह था कि जेठ की गर्म हवा से काफल कुम्हला कर थोड़े कम हो गए थे। रात भर बाहर ठंडी हवा में पड़े रहने से वे सुबह फिर से खिल गए और टोकरी भरी-पूरी हो गयी! अब मां की समझ में आया और रोती-पीटती बेटी के शोक में वह भी मर गयी! कहते हैं कि वे दोनों मर के पक्षी बन गईं और जब भी काफल पकते हैं, तो एक पक्षी बड़े करुण भाव से गाता है- 'काफल पाको! मी नी चाखो' (काफल पके हैं, पर मैंने नहीं चखे हैं) और तभी दूसरा पक्षी चीत्कार कर उठता है- 'पुर पुतई पूर पूर!' (पूरे हैं बेटी पूरे हैं)! मेरी ही तरह, आप भी इस 'काफल-कथा' को पढ़कर संत कबीर के इस दोहे के मर्म को जरूर समझ जाएंगे-

'क्रोध-अग्नि घर-घर बसी, जले सकल संसार।
दीन लीन निज भक्ति जो, तिनके निकट गुबार।'

अर्थात् क्रोध की अग्नि तो घर-घर में बसी हुई है, जिसमें सारा संसार जल रहा है। जो दीन प्राणी अपनी भक्ति में लीन है, वही इस गुब्बार से बचता है। निश्चय ही, क्रोध हमारे मन की ऐसी विकृति है जो हमारे विवेक को जलाकर राख कर देती है। इस क्रोध में हम वह कर जाते हैं, जिसे सोचना तक संभव नहीं होता। क्रोध के बाद केवल पछतावा ही बचता है, बाकी सब तो स्वाहा हो जाता है। आइए, आज मिलकर एक संकल्प हम अवश्य लें कि हमारे विवेक को राख कर देने वाले इस क्रोध नामक शत्रु को हम कभी जीवन में नहीं आने देंगे।

'क्रोध एक अग्नि सखे, हो विवेक की राख।
अशांत मन नित ही रहे, मिटे व्यक्ति की साख।'

भूख बढ़ाने के लिए करें ये योगासन

भूख न लगना और दिनभर बिना खाए रहना एक सामान्य समस्या है जो किसी भी उम्र में किसी को भी हो सकती है। हालांकि इसके कुछ अहम कारण और दुष्प्रभाव हो सकते हैं। कई बार स्वास्थ्य समस्याओं जैसे डायबिटीज, थायराइड, कैंसर या अन्य रोगों के कारण भूख कम हो जाती है। मानसिक तनाव व चिंता भी भूख लगने की प्रक्रिया को प्रभावित करती है। अनियमित और अपूर्ण आहार, व्यस्त जीवनशैली, दवाओं के सेवन, मासिक धर्म के समय आदि कई कारणों से भूख कम हो सकती है। वहीं भूख न लगने से शरीर में पौष्टिकता की कमी हो सकती है। इस कारण वजन कम होता है, कमजोरी आ सकती है और लंबे समय तक भूखे रहने से व्यक्ति को विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी विकारों का सामना करना पड़ सकता है। इस तरह की समस्याओं से बचने के लिए योगासन का अभ्यास कर सकते हैं। योग भूख बढ़ाने में सहायक हो सकता है, जिससे स्वास्थ्य भी दुरुस्त रहता है।

धनुरासन

धनुरासन वजन कम करने के साथ ही पाचन तंत्र को बेहतर बनाने और भूख न लगने की समस्या को दूर करने के लिए काफी अच्छा माना जाता है। कैसे करें अभ्यास- धनुरासन के अभ्यास के लिए मैट पर पेट के बल लेटकर दोनों पैरों के बीच दूरी बना लें। घुटनों को ऊपर की ओर मोड़ते हुए एड़ियों को हाथों से पकड़ें और छाती व पैरों को ऊपर उठाएं। बाजुओं और थाइज पर खिंचाव को महसूस करें। इस अवस्था में कुछ देर रहने के बाद धीरे-धीरे प्रारंभिक अवस्था में लौट आएं। शरीर को कोर मसल्स को मजबूत करने में मदद करता है। पाचन संबंधी समस्याओं को दूर करने में सहायता मिलती है। पैरों की मांसपेशियों को स्ट्रेच करके मजबूत करने में मदद मिलती है। पुराने कब्ज को ठीक करने में मदद मिलती है। सांस संबंधी और फेफड़ों की पसलियों में आराम मिलता है। शरीर में ब्लड सर्कुलेशन अच्छे से होता है।

भुजंगासन

भूख न लगने का एक कारण पेट की गड़बड़ी हो सकती है। भुजंगासन का अभ्यास भूख न लगने की समस्या को हल कर सकता है और पाचन को बेहतर बनाने के लिए फायदेमंद है। भुजंगासन के अभ्यास के लिए पेट के बल लेटकर दोनों हाथ साइड में रखें और पैरों के बीच दूरी बनाएं। अब दोनों हाथों पर प्रेशर देते हुए शरीर के अगले हिस्से को उठाएं। इस अवस्था में आसमान की ओर देखते हुए सांसों को क्रम सामान्य बनाए रखें। कुछ देर इसी स्थिति में रहें और फिर धीरे-धीरे प्रारंभिक स्थिति में लौट आएं। इसके अलावा छाती, फेफड़े, कंधे और पेट में खिंचाव आता है। यह पीठ दर्द और गर्दन दर्द को दूर करने के साथ-साथ रीढ़ की हड्डी को कोमल और स्वस्थ रखने में मदद करता है। किडनी को टोन करता है जो रक्त को शुद्ध करने, रुके हुए रक्त को हटाने और पूरे शरीर के स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद करता है। एड्रेनल ग्रंथि को मजबूत करता है, जो एड्रेनालाईन, कोर्टिसोल और अन्य तनाव हार्मोन के स्राव के लिए जिम्मेदार है, हार्मोन स्राव पर संतुलन प्रभाव आसन का लाभ है।

वज्रासन से शरीर में पौष्टिक तत्वों को अब्जॉर्ब करने में मदद मिलती है।

वज्रासन

भूख बढ़ाने के लिए वज्रासन का अभ्यास फायदेमंद हो सकता है। इस आसन को आप कभी भी और कहीं भी कर सकते हैं। कैसे करें अभ्यास- वज्रासन के अभ्यास के लिए घुटनों के बल बैठ जाएं। इस स्थिति में पैरों के बीच गैप न हो और दोनों पैरों के अंगूठे एक साथ मिले होने चाहिए। हिप्स को एड़ियों पर टिकाते हुए कमर को सीधा रखें और हथेलियों को घुटनों पर रखें। ध्यान रखें कि दोनों घुटने भी आपस में मिले हों। कुछ देर सामान्य रूप से श्वास लेते हुए ध्यान केंद्रित करें। थोड़ी देर में सामान्य स्थिति में लौट आएं। यह सायटिका, नर्व से जुड़ी प्रॉब्लम और अपच से निजात दिलाने में मदद करता है। यह पेल्विक एरिया और पेट तक ब्लड फ्लो में सुधार लाता है, जिससे बाउल मूवमेंट में मदद मिलती है।

हंसना मना है

पप्पू - तुम चाय पीने के लिए किस हद तक जा सकते हो? गप्पू - एक बार तो लड़की तक देखने चला गया था...!!!

मास्टर - बेटा, अगर सच्चे दिल से भगवान से प्रार्थना की जाए तो वो जरूर सफल होती है...! पप्पू - रहने दो सर, अगर ऐसा होता तो आप मेरे सर नहीं, ससुर होते...!!!

पुलिस - तुम्हारे सामने चोर उस लड़की का पर्स छीन रहा था और तुमने उसकी कोई मदद नहीं की...! लड़का - मैं उस लड़की को जानता हूं, उसने व्हाट्सएप स्टेटस डाला है- मैं अपनी प्रॉब्लम्स खुद सॉल्व कर सकती हूं, अपने काम से काम रखो! पुलिस - फिर ठीक है, उसकी प्रॉब्लम वो जाने...!!!

दो आदमी शराब के नशे में धुत्त होकर रेल की पटरियों के बीचों-बीच जा रहे थे। पहला आदमी- हे भगवान, मैंने इतनी सीढ़ियां पहले कभी नहीं चढ़ीं। दूसरा आदमी- अरे सीढ़ियां तो ठीक हैं, मैं तो इस बात को लेकर हैरान हूं कि हाथ से पकड़ने के लिए रेलिंग कितने नीचे लगी हुई हैं।

कहानी | भगवान शिव की तीसरी आंख

भगवान शिव जी की हर प्रतिमा में उनके मस्तक पर एक आंख दिखाई देती है। इसे भोलेनाथ की तीसरी आंख कहते हैं। भगवान शिव के मस्तक पर तीसरी आंख है, इसलिए उन्हें त्रिलोचन भी कहा जाता है। शिव जी को यह तीसरी आंख कैसे मिली? इस घटना के पीछे एक कहानी है, जिसमें शिव जी की तीसरी आंख का रहस्य और महत्व दोनों पता चलता है। एक समय की बात है, भगवान शिव कैलाश पर्वत पर तपस्या कर रहे थे, तभी देवी पार्वती वहां आईं। देवी पार्वती को मजाक सूझा और उन्होंने अपने दोनों हाथों से अपने पति शिव की आंखों को ढक लिया। देवी पार्वती को जरा भी अंदाजा नहीं था कि उनके इस मजाक का क्या परिणाम होगा। जैसे ही पार्वती जी ने भगवान शिव की आंखों को ढका, वैसे ही पूरी सृष्टि में अंधेरा छा गया। सभी लोग अंधेरे से घबरा उठे। शिव जी से लोगों की यह हालत छुप नहीं सकी और उन्होंने अपने मस्तक पर एक आंख उत्पन्न कर ली। भगवान शिव की तीसरी आंख खुलते ही सारे लोकों में उजाला हो गया। तब से शिव जी की तीसरी आंख को प्रकाश और ऊर्जा का प्रतीक माना जाने लगा। भगवान शिव इस घटना के बाद पार्वती जी को बताते हैं कि उनकी दो आंखे पूरी सृष्टि की पालनहार हैं और तीसरी आंख प्रलय का कारण। शास्त्रों में भी कहा गया है कि जब भी भगवान शिव अपनी तीसरी आंख खोलेंगे, तब संसार को विनाश का सामना करना होगा। उनके तीनों नेत्रों में भूतकाल, वर्तमान और भविष्य समाया हुआ है। मान्यताओं के मुताबिक ये तीन नेत्र स्वगलोक, मृत्युलोक और पाताललोक भी दर्शाते हैं। महादेव की तीसरी आंख एक खास संकेत भी देती है। मान्यता है कि भोलेनाथ जब-जब अपना तीसरा नेत्र खोलते हैं, तब-तब नए युग का सूत्रपात होता है।

7 अंतर खोजें

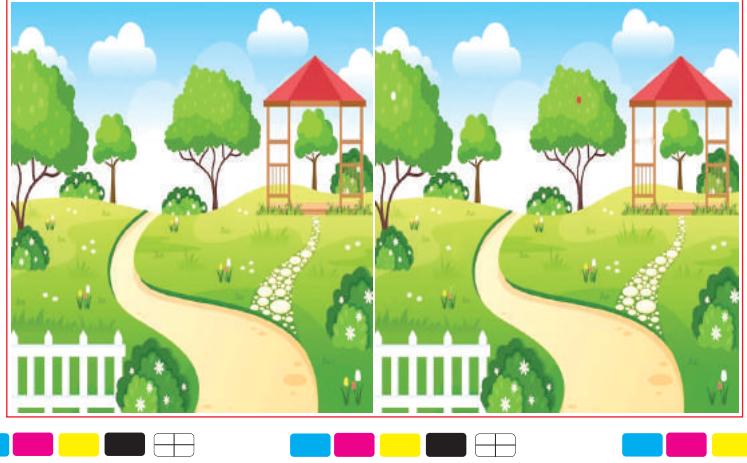

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष लाभ के अवसर हाथ आएंगे। रोजगार में वृद्धि होगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार लाभदायक रहेगा।

वृषभ जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आय बनी रहेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। आज के काम कल पर नहीं टालें। विवेक का प्रयोग करें।

मिथुन जल्दबाजी में कोई भी लेन-देन न करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। फालतू खर्च होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

कर्क किसी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें। समय नेष्ट है। नकारात्मकता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

सिंह शत्रु शांत रहेंगे। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

कन्या संतान पक्ष से स्वास्थ्य तथा अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। कार्यशैली में परिवर्तन करना पड़ सकता है।

तुला थकान व कमजोरी रह सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। किसी धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है।

वृश्चिक प्रेम-प्रसंग में हड़बड़ी न करें। विवाद हो सकता है। नकारात्मकता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। युवक व युवती विशेष सावधानी बरतें।

धनु कानूनी बाधा संभव है। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। विरोधी सक्रिय रहेंगे। धनहानि किसी भी तरह हो सकती है। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा।

मकर सुख के साधनों पर व्यय होगा। स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं। प्रॉपर्टी के काम बड़ा लाभ दे सकते हैं। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कुम्भ मनोरंजक यात्रा की आयोजना हो सकती है। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

मीन दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब होने से खिन्नता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। भागदौड़ रहेगी।

चुनाव जीतने के बाद बॉलीवुड को बाय-बाय कर देंगी कंगना रनौत

कंगना रनौत इस बार लोकसभा चुनाव में बीजेपी की उम्मीदवार हैं। उन्हें हिमाचल प्रदेश के मंडी से टिकट मिला है। मंडी की बेटी कंगना जोर शोर से प्रचार में जुटी हैं। उन्हें उम्मीद है इस चुनाव में उनकी जीत होगी। कंगना ने आज तक से खास बातचीत में फिल्मों, लोकसभा चुनाव और राजनीति पर बात की। यहां कंगना ने अपने फिल्मी करियर को लेकर बड़ा ऐलान किया। जानें क्या।

कंगना ने इशारा किया कि लोकसभा चुनाव में अगर वो जीतती हैं, तो धीरे-धीरे शोबिज की दुनिया को छोड़ सकती हैं। क्योंकि वो एक ही काम पर फोकस करना चाहेंगी। कंगना से पूछा गया- फिल्म और राजनीति को कैसे मैनेज कर पाएगी? इस पर एक्ट्रेस बोलीं, मैं फिल्मों में भी पक जाती हूं, मैं रोल भी करती हूं, निर्देशन भी करती हूं। अगर मुझे राजनीति में संभावना दिखती है कि लोग मुझसे जुड़ रहे हैं तो फिर में राजनीति ही करूंगी। आईडियली में एक ही काम करना चाहूंगी।

अगर मुझे लगता है कि लोगों को मेरी जरूरत है तो फिर मैं उसी दिशा में जाऊंगी। मैं अगर मंडी से जीत जाती हूं तो फिर मैं राजनीति ही करूंगी। मुझे कई फिल्ममेकर कहते हैं कि राजनीति में मत जाओ। आपको लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरना चाहिए। मेरी निजी महत्वाकांक्षाओं की वजह से लोग सफर कर रहे हैं यह तो अच्छा नहीं है। मैंने एक प्रिविलेज लाइफ जी है, अगर अब लोगों के साथ जुड़ने का मौका मिल रहा है तो उसे भी पूरा करूंगी। मुझे लगता है सबसे पहले लोगों की आपसे जो उम्मीदें है आपको उसके साथ जस्टिस करना चाहिए।

एक्ट्रेस से पूछा गया कि फिल्मों के मुकाबले राजनीति की लाइफ एकदम अलग होती है। क्या ये सब उन्हें जंच रहा है? जवाब में कंगना बोलीं- फिल्मों की एक झूठी सी दुनिया है। वो अलग वातावरण बनाया जाता है। एक बबल बनाया जाता है लोगों को आकर्षित करने के लिए। लेकिन राजनीति एक वास्तविकता है। लोगों के साथ उनकी उम्मीदों पर खरा उतरना है, मैं नई हूं पब्लिक सर्विस में, बहुत कुछ सीखना है।

अगले साल रिलीज होगी रणवीर सिंह की डॉन-3

रणवीर सिंह के लिए साल 2024 की शुरुआत काफी शानदार रही है। एक तरफ जहां इस साल उनकी झोली में कई बड़ी फिल्में हैं, तो वहीं दूसरी तरफ वह जल्द ही नन्हे मेहमान का स्वागत करने वाले हैं। इस बीच एक्टर की मोस्ट अवेटेड फिल्म डॉन-3 को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। रणवीर सिंह और कियारा आडवाणी की डॉन-3 को एक बार फिर से फरहान अख्तर निर्देशित करने वाले हैं। फिलहाल रॉकऑन एक्टर बतौर अभिनेता अपनी फिल्म में बिजी चल रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यही वजह है कि रणवीर सिंह ने डॉन-3 की शूटिंग को आगे टाल दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक इस एक्शन थ्रिलर फिल्म की शूटिंग अब अगले साल यानी फरवरी 2025 से शुरू होगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस बार फिल्म की अधिकांश कथा विदेशी लोकेशन में सेट है। यही कारण हैं कि फिल्म निर्माता लोकेशन की तलाश के लिए फिलहाल लंदन में काम कर रहे हैं। यहां लोकेशन फाइनल करने के बाद टीम जर्मनी रवाना होगी।

ये पहली बार है जब कियारा आडवाणी और रणवीर सिंह की जोड़ी फैंस को फिल्मी पर्दे पर देखने को मिलेगी। सिंघम अगेन एक्टर फिल्म में डॉन का किरदार निभा रहे हैं, लेकिन कियारा के रोल को लेकर सस्पेंस बना हुआ है। फैंस फिल्म जहां एक तरफ फिल्म में शाहरुख खान के न होने पर निराश हैं, तो वहीं नई जोड़ी और कहानी को देखने के लिए बेताब भी हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

इंडस्ट्री में सम्मान तो मिला पर काम नहीं मिला: मधु

बॉलीवुड में वैसे तो कई कलाकार ऐसे हैं, जिनका किसी न किसी बॉलीवुड स्टार्स या फिल्मों से ताल्लुक रहा है। कपूर परिवार में चाचा-ताऊ से लेकर भतीजे-भांजे तक। देओल परिवार, बच्चन परिवार और मुखर्जी फैमली, उन्हीं में से एक हैं। 70 के दशक की खूबसूरत एक्ट्रेस हेमा मालिनी की बेटियों से पहले उनकी भतीजी ने बॉलीवुड में दस्तक दी और फिल्मों में आते ही वो छा गईं। हेमा जैसी कद काठी और खूबसूरती माशाल्लाह... लेकिन अचानक वो फिल्मों में गायब हो गईं। अब सालों बाद वह वापसी के लिए तैयार हैं। ये एक्ट्रेस और कोई नहीं फूल और कांटे में नजर आई अजय देवगन की हीरोइन मधु शाह हैं। हेमा मालिनी की भतीजी मधु लंबे समय के बाद जल्द फिल्म कर्तम भुगतम से पर्दे पर वापसी कर रही हैं। हेमा मालिनी ही नहीं जूही चावला से भी उनका खास संबंध है, लेकिन इसके बाद भी उनके लिए फिल्म इंडस्ट्री में जर्नी आसान नहीं रही। करीबी रिश्ते क्यों उनके करियर को हिट नहीं करा सके। हाल ही में मधु शाह ने इसे लेकर बात की है। एक इंटरव्यू में उन्होंने इसे लेकर बात की। मधु शाह ने ये स्पष्ट किया और कहा कि मैं हेमा से मेरा खास रिश्ता है और जूही चावला मेरी भाभी हैं, जिनकी शादी मेरे पति के चचेरे भाई से हुई है। हमारा परिवार अभिनेताओं का परिवार है। लेकिन, सितारों से संबंध रखना सफलता की गारंटी नहीं है। उन्होंने कहा कि मेरी शादी के बाद, जूही चावला मेरे जीवन में एक पारिवारिक सदस्य के रूप में बहुत बाद में आई। उन्होंने कहा कि जब मेरी शादी हुई, तो मैंने एक तरह से इंडस्ट्री छोड़ दी थी। इसलिए उनके परिवार में होने से, भावनात्मक रूप से, या मानसिक रूप से, या शारीरिक रूप से, मुझ पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। मधु ने आगे कहा, लेकिन हेमा जी के परिवार से आने के कारण मुझ पर प्रभाव पड़ा और वो केवल अच्छा प्रभाव पड़ा। उन्होंने बात को समझाते हुए आगे कहा कि हेमा मालिनी जैसे कद के कलाकार के घर से आने से मुझे बहुत सम्मान मिला। मधु ने कहा कि अफसोस की बात है कि मुंबई में कई महत्वाकांक्षी एक्ट्रेसेस को बेकार अनुभवों का सामना करना पड़ता है। हालांकि, वह इन सब चीजों से सिर्फ इसलिए बच गईं, क्योंकि उसके पिता पहले से ही एक निर्माता थे और वह हेमा से संबंधित थी।

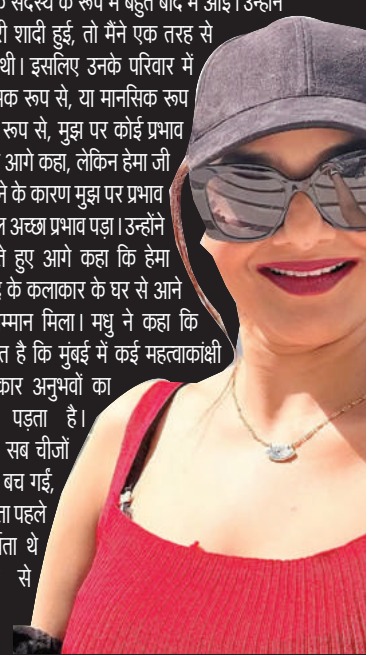

इस गांव में है 300 किलो की चारपाई एक साथ सो सकते हैं आठ लोग

भरतपुर जिले का नगला भांड गांव आज भी अपनी प्राचीन सभ्यता संभाले हुए है। इस गांव की कई विशेषता हैं। वो ये कि इस गांव में 300 किलो वजनी चारपाई हैं। इन पर एक साथ 8 लोग सो सकते हैं। दूसरी खासियत ये है इस गांव में एक ही परिवार बसा है। इस परिवार के गांव में 125 घर इनके ही हैं। ग्रामीणों ने बताया हमारे पूर्वज चंदे कसाना का बयाना तहसील में पैतृक गांव रारौदा था। वहां उन्हें नहरा क्षेत्र का मुखिया माना जाता था। चंदे कसाना न्यायकारी व्यक्ति थे। उनके नाम से कचहरी चलती थी।

मुखिया का परिवार आगे बताता है चंदे कसाना ने हमेशा लोगों को आपसी भाईचारे से रहना और विरोध मिटाने का काम किया था। चंदे कसाना रारौदा से अपने बेटों के साथ करीब 70 वर्ष पूर्व ग्राम पंचायत सालाबाद आए। यहां पर उन्होंने अपना अलग गांव नगला भांड बसाया। चंदे कसाना के 6 बेटे थे। बंटवारा करते समय उन्होंने उपहार स्वरूप सन 1920 में बनी 6 चारपाई(खाट) बेटों को दीं। ये चारपायी अब भी हैं। इनका वजन करीब 300 किलो है।

ये चारपाई इतनी बड़ी है कि इस पर एक साथ 7 से 8 लोग आराम से सो सकते हैं। इसकी मजबूती आज भी बरकरार है। गांव में आज भी 6 चारपाई मौजूद हैं जो अपने पूर्वजों की याद ताजा करती हैं। ग्रामीणों ने इन चारपाईयों को बहुत संभाल कर रखा है। आज उन्हीं 6 बेटों के 125 परिवार गांव में मौजूद हैं। गांव में आज भी आपसी भाई चारा है। गांव के लोग बताते हैं अब इतनी भारी भरकम चारपाई बहुत कम दिखाई देती हैं। इन चारपाइयों को देखने आसपास के लोग आते हैं।

अजब-गजब | हवाई जहाज में पड़ने वाले फ्यूल के बारे में जानकर उड़ जायेंगे होश

कार-बाइक से सस्ता पेट्रोल होता है हवाई जहाज का

पेट्रोल-डीजल की कीमतें आए दिन बढ़ती रहती हैं, जो आम आदमी को परेशान करती हैं। लेकिन इसी बीच एक खबर सोशल मीडिया पर तैर रही है। दावा किया जा रहा है कि हवाई जहाज में इस्तेमाल होने वाला तेल कार-बाइक में पड़ने वाले पेट्रोल से सस्ता है। इसे जानने के बाद लोग भौचक हैं। पूछ रहे हैं कि क्या सच में ऐसा है? और अगर है तो इसकी वजह क्या है? क्योंकि हम तो सुनते आए हैं कि हवाई जहाज में सबसे अच्छा फ्यूल इस्तेमाल किया जाता है। यकीनन इस खबर को पढ़ने के बाद आप भी पूरा मामला समझ जाएंगे।

सबसे पहले तो जानिए कि हवाई जहाज में जो फ्यूल या तेल इस्तेमाल किया जाता है, उसे जेट फ्यूल यानी एविएशन टरबाइन फ्यूल कहते हैं। अब ये आता कहां से है? तो बता दें कि जमीन के नीचे तेल भंडारों से इसे निकाला जाता है। इसे कच्चा तेल कहते हैं। बहुत सारे लोग इसे मिट्टी का तेल या केरोसिन भी बोलते हैं। इसमें कई तरह की अशुद्धियां होती हैं। यही वजह है कि जब ये जलता है तो काफी काला धुआं फेंकता है। इसे रिफाइन करके मार्केट में बेचा जाता है, जिसे हम पेट्रोल-डीजल के तौर पर देखते हैं।

कच्चे तेल को रिफाइन करते समय ही जेट फ्यूल और पेट्रोल को अलग किया जाता है। जेट फ्यूल, एटीएफ या टरबाइन फ्यूल ही विमानों में इस्तेमाल किया जाता है। यूरोप और अमेरिकी देशों में पेट्रोल को भी गैसोलिन ही कहा जाता है। एटीएफ कुछ अलग होता है। यह पेट्रोल से लो फ्रीजिंग प्वाइंट, हायर फ्लैश प्वाइंट और कम चिपचिपा होता है। इसकी वजह से यह ज्यादा ऊंचाई और ज्यादा तापमान के लिए काफी उपयुक्त होता है। इसकी ऑक्टेन रेटिंग भी पेट्रोल की तुलना में कम होती है। अब आपके मन में भी सवाल होगा कि जब सब एक जैसा है, तो पेट्रोल महंगा क्यों? इसके पीछे कई वजह हैं।

आमतौर पर कार-बाइक में इस्तेमाल होने वाले पेट्रोल की तुलना में विमानों में इस्तेमाल होने वाले ईंधन पर कम टैक्स और नियम लागू होते हैं। इसके अलावा विमान ईंधन को रिफाइन करने की प्रक्रिया पेट्रोल से सस्ती है। तीसरी वजह, ईंधन की आपूर्ति आमतौर पर तय होती है कि इतना ही खर्च होना है, जबकि पेट्रोल डीजल की अनियमित होती है। इससे इनकी कीमतों में उतार-चढ़ाव ज्यादा होता है। एटीएफ के दाम भी पेट्रोल डीजल की तरह हर राज्य में अलग-अलग होते हैं। क्योंकि राज्य इस पर भी वैट लगाते हैं।

चुनाव आयोग की धांधलियों के खिलाफ उठाएं आवाज : खरगे

» विपक्ष ने मतदान प्रतिशत के आंकड़ों पर उठाए सवाल

» कांग्रेस अध्यक्ष ने इंडिया गठबंधन के नेताओं को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने विपक्षी इंडिया गठबंधन के नेताओं को पत्र लिखा है। इस पत्र में चुनाव आयोग द्वारा जारी किए गए मतदान के आंकड़ों पर सवाल उठाए हैं और कथित धांधली का आरोप लगाया है। पत्र में खरगे ने विपक्षी गठबंधन के नेताओं से अपील की कि वे ऐसी धांधलियों के खिलाफ आवाज उठाएं। खरगे ने लिखा हमारा एकमात्र उद्देश्य संविधान की रक्षा और लोकतंत्र की संस्कृति की रक्षा करना है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने लिखा इंडियन नेशनल डेवलेपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (आईएनडीआईए) के तौर पर यह हमारा साझा प्रयास होना चाहिए कि हम लोकतंत्र की रक्षा करें और चुनाव आयोग की निष्पक्षता को बचाएं। खरगे ने मतदान प्रतिशत के आंकड़ों में हुए फेरबदल पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि यह अंतिम नतीजों में फेरबदल करने की कोशिश हो सकती है। खरगे ने कहा कि हम सभी जानते हैं कि पहले दो चरणों में मतदान के रुझानों को देखते हुए पीएम मोदी और भाजपा परेशान है। पूरा देश जानता है कि यह तानाशाही सरकार सत्ता के नशे में चूर है और अपनी कुर्सी बचाने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। दरअसल लोकसभा चुनाव के दो चरणों के मतदान प्रतिशत और डाटा साझा करने में हुई देरी पर विपक्षी पार्टियां सवाल उठा रही हैं। पहले दो चरणों में मतदान प्रतिशत कम रहा। हालांकि चुनाव आयोग ने मतदान के कई घंटे बाद मतदान प्रतिशत के नए आंकड़े जारी किए, जिसमें मतदान प्रतिशत में 5-6 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई। इस विपक्षी दलों ने सवाल उठाया कि आंकड़े जारी करने में इतनी देरी क्यों लगी? विपक्ष ने चुनाव में धांधली का आरोप लगाया। मंगलवार को लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के लिए मतदान हो रहा है, जिसमें 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 93 लोकसभा सीटों के लिए वोट डाले जा रहे हैं।

कन्नौज में प्रचार करेंगे राहुल

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश स्थित रायबरेली लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से प्रत्याशी राहुल गांधी, कन्नौज में प्रचार करेंगे। कन्नौज लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव उम्मीदवार है। राहुल गांधी के कन्नौज आने का दावा सूत्रों ने किया है। अगर ऐसा होता है तो यह इंडिया अलायंस की पहली रैली होगी जिसमें अखिलेश और राहुल गांधी एक साथ प्रचार मंच पर आएंगे। माना जा रहा है कि दोनों नेता रोड शो भी कर सकते हैं। कन्नौज लोकसभा क्षेत्र में चौथे चरण में 13 मई को मतदान होना है। इस सीट पर भारतीय जनता पार्टी की ओर से सुब्रत पाठक उम्मीदवार हैं। पाठक ने साल 2019 में अखिलेश की पत्नी डिंपल यादव को चुनाव हराकर इतिहास रचा था।

पुलिस ने प्रसारित किए प्रज्वल के अश्लील वीडियो : कुमारस्वामी

» डीके शिवकुमार पर लगाए गंभीर आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बंगलूरू। जेडीएस नेता प्रज्वल रेवन्ना के अश्लील वीडियो मामले में कर्नाटक के पूर्व सीएम एचडी कुमारस्वामी ने राज्य के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार पर गंभीर आरोप लगाए। कुमारस्वामी ने कहा कि इस मामले में गंदी राजनीति की जा रही है। कुमारस्वामी ने कहा कि जो घटना घटी, वो नहीं होनी चाहिए थी। 21 अप्रैल को पूरे राज्य में एक पैन ड्राइव प्रसारित की गई। पुलिस अधिकारियों ने भी इस पैन ड्राइव को प्रसारित किया। इसे बंगलूरू ग्रामीण, मांड्या और हासन सीटों पर जानबूझकर प्रसारित किया गया।

कुमारस्वामी ने बताया 21 अप्रैल की रात नवीन गौड़ा नाम के एक शख्स ने प्रज्वल रेवन्ना के वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड किए। जिसके खिलाफ हासन सीट पर प्रज्वल रेवन्ना के चुनाव एजेंट पूर्णचंद्र ने हासन पुलिस में 22 अप्रैल को शिकायत दर्ज कराई, जिसमें नवीन गौड़ा, कार्तिक गौड़ा, चेतन और पुर्ताराजू के खिलाफ आरोप लगाए गए, लेकिन इनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई और 26 अप्रैल को रिटर्निंग अधिकारी ने बताया कि उस शिकायत को बंद कर दिया गया है। जेडीएस नेता ने कहा कि मैं किसी का बचाव नहीं कर रहा और दोषी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। फिर चाहे वो कोई भी हो। जेडीएस ने कहा कि जब चुनाव हो रहे थे, तो कौन उन वीडियो और पैन ड्राइव को प्रसारित कर रहा था। सीएम 100 बार बोल चुके हैं कि एचडी कुमारस्वामी और जेडीएस उम्मीदवार हारेंगे।

संदेशखाली से जुड़े वीडियो से टीएमसी सच्चाई दबाना चाहती है: मजूमदार

» भाजपा ने कहा- वीडियो पूरी तरह फर्जी है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने आरोप लगाया है कि संदेशखाली पर एक स्टिंग ऑपरेशन का वीडियो टीएमसी द्वारा सच्चाई को दबाने का प्रयास था। मजूमदार ने दावा किया कि टीएमसी इसका इस्तेमाल अपने निलंबित नेता शाहजहां शेख को क्लीन चिट देने के लिए करेगी। उन्होंने कहा,यह वीडियो संदेशखाली की सच्चाई को दबाने के लिए ही टीएमसी द्वारा सामने लाया गया था।

स्टिंग ऑपरेशन उस समय क्यों किया गया जब चुनाव चल रहा था? लेकिन पश्चिम बंगाल के लोगों को बेवकूफ बनाना इतना आसान नहीं होगा। वे यह समझने के लिए राजनीतिक रूप से काफी परिपक्व हैं कि इस समय वीडियो क्यों सामने लाया गया था।

बालुरघाट के सांसद मजूमदार ने कहा कि संदेशखाली के 600-700 लोगों ने शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जब भी बलात्कार की कोई घटना होती है तो टीएमसी नेता पीड़िता के चरित्र का हनन करना शुरू कर देते हैं। तृणमूल कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो शनिवार को साझा किया था। इसमें भाजपा मंडल अध्यक्ष होने का दावा करने वाले एक व्यक्ति को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी पूरी साजिश के पीछे थे।

अग्निवीर योजना को खत्म करेंगे: राहुल

» आदिवासियों के लिए अलग सरना धार्मिक संहिता लाने का वादा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुमला, चाईबासा (झारखंड)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया की सरकार बनने पर अग्निवीर योजना को समाप्त कर दिया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि इस योजना की शुरुआत सेना ने नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने की है। राहुल गांधी ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में संशोधन करने और आदिवासियों के लिए अलग सरना धार्मिक संहिता लाने का भी वादा किया।

झारखंड के गुमला में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, विपक्षी गठबंधन इंडिया अग्निवीर योजना को खत्म करेगा, क्योंकि इस योजना को मोदी लेकर आए हैं, न कि सेना लाई है। हम शहीदों में कोई भेदभाव नहीं करना चाहते। देश के लिए बलिदान देने वाले हर व्यक्ति को शहीद का दर्जा दिया जाना चाहिए, उसे पेंशन दी जानी चाहिए। भाजपा सरकार ने पांच कर स्लैब वाली गलत जीएसटी योजनाएं लागू कीं। हम इसमें संशोधन करेंगे और एक कर स्लैब बनाएंगे, जो न्यूनतम होगी। हम गरीबों पर कर का बोझ कम करेंगे। गांधी ने भाजपा नीत केंद्र पर आदिवासियों को धोखा देने का आरोप लगाया। जेल में बंद झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के बारे में गांधी ने कहा कि भाजपा ने आदिवासी मुख्यमंत्री को जेल में डाल दिया है, लेकिन हेमंत सोरेन छूटेगा। इसके जवाब में भीड़ ने नारा लगाया जेल का ताला टूटेगा, हेमंत सोरेन छूटेगा।

राहुल व प्रियंका गांधी ने लोगों से की वोट करने की अपील

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 93 निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान हो गया है। आने वाले चरणों के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कहा आज तीसरे चरण का मतदान है। आप सभी से मेरा अनुरोध है कि अपने अधिकारों की रक्षा के लिए बड़ी संख्या वोट करें। उन्होंने कहा कि यह लोकतंत्र और संविधान की रक्षा का चुनाव है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि याद रहे, यह कोई सामान्य चुनाव नहीं, देश के लोकतंत्र और संविधान की रक्षा का चुनाव है।' सोशल मीडिया मंच एक्स पर प्रियंका गांधी ने लिखा कि प्रिय देशवासियों, यह चुनाव देश के लोकतंत्र और संविधान को बचाने का चुनाव है। यह ऐतिहासिक बेरोजगारी, प्रचंड महंगाई, संस्थागत भ्रष्टाचार और आर्थिक संकट को हराने का चुनाव है। आपका एक-एक वोट महत्वपूर्ण है। सोच-समझ कर, अपने विवेक का इस्तेमाल करते हुए भारी संख्या में मतदान करें। अपने और अपने बच्चों के भविष्य के लिए मतदान करें।'

पोरेल-मैकगर्क की पारी से दिल्ली पड़ी भारी

» कैपिटल्स ने राजस्थान रॉयल्स को 20 रनों से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग में राजस्थान रॉयल्स को 20 रन से हरा दिया। मैच के दौरान सलामी बल्लेबाजों अभिषेक पोरेल और जेक फ्रेजर-मैकगर्क के अर्धशतक के बाद गेंदबाजों का उम्दा प्रदर्शन देखने को मिला। वहीं पहले बल्लेबाजी करते हुए दिल्ली कैपिटल्स ने 222 रन बनाए। जिसके जवाब में सैमसन (46 गेंद में 86 रन, आठ चौके, छह छक्के) के बड़े अर्धशतक के बावजूद रॉयल्स की टीम आठ विकेट पर 201 रन ही बना सकी।

वहीं रॉयल्स की तरफ से रियान पराग (27) और शुभम दुबे (25) अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने में नाकाम रहे। दिल्ली की तरफ से कुलदीप यादव ने 25, मुकेश कुमार ने 30 जबकि खलील अहमद ने 47 रन देकर दो-दो विकेट चटकाए। इस जीत से दिल्ली के 12 मैच में छह जीत से 12 अंक हो गए हैं। टीम हालांकि अंक तालिका पर छठे स्थान पर ही बनी हुई है। रॉयल्स की टीम 11 मैच में 16 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। दिल्ली ने इससे पहले पोरेल (36 गेंद में 65 रन, सात चौके, तीन छक्के) और फ्रेजर-मैकगर्क (50 रन, 20 गेंद, सात चौके, तीन छक्के) के अर्धशतक और दोनों के बीच पहले विकेट की 4.2 ओवर में 60 रन की साझेदारी से आठ विकेट पर 221 रन बनाए।

सैमसन की 86 रन की पारी गई बेकार

सैमसन शुरूआत से ही अच्छी लय में नजर आए। उन्होंने खलील पर चौका और छक्का। जड़ने के बाद इशांत शर्मा के ओवर में दो चौके और एक छक्का मारा। सलामी बल्लेबाज जोस बटलर आठ रन के निजी स्कोर पर भाग्यशाली रहे जब मुकेश कुमार की गेंद को हवा में लहरा गए लेकिन स्टब्स ने कवर में उनका कैच टपका दिया। सैमसन ने इसी ओवर में लगातार गेंदों पर दो चौके और एक छक्का मारा। बटलर ने अगले ओवर में अक्षर पटेल पर छक्का जड़ा लेकिन अगली गेंद पर बोल्ड हो गए। उन्होंने 19 रन बनाए। रॉयल्स ने पावर प्ले में दो विकेट पर 67 रन बनाए। रियान पराग (22 गेंद में 27 रन, तीन छक्के, एक चौका) ने अक्षर और कुलदीप यादव पर छक्के जड़कर अच्छी शुरुआत की और फिर रसिख सलाम पर छक्के के साथ 11वें ओवर में टीम के रनों का सैकड़ा पूरा किया। वह हालांकि रसिख के इसी ओवर में बोल्ड हो गए। सैमसन ने फ्री हिट पर कुलदीप पर छक्के साथ 28 गेंद में अर्धशतक पूरा किया।

जेजेपी भाजपा के खिलाफ वोट करेगी : दुष्यंत

हरियाणा में अविश्वास प्रस्ताव लाने पर लेंगे बड़ा फैसला

» कांग्रेस की तरफ गए निर्दलीय विधायक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। तीन स्वतंत्र विधायकों द्वारा अपना समर्थन वापस लेने के बाद हरियाणा में भाजपा सरकार के बहुमत खोने के एक दिन बाद, जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) के नेता दुष्यंत चौटाला ने बुधवार को घोषणा की कि पार्टी नायब सिंह सैनी के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ मतदान करेगी। अविश्वास प्रस्ताव की स्थिति में विपक्ष के नेता भूपेन्द्र सिंह हुडडा द्वारा अविश्वास प्रस्ताव लाया जाता है। चौटाला ने कहा, अगर भाजपा सरकार जल्दी से गिरा दी जाती है, तो वे सरकार के पतन को सुविधाजनक बनाने के लिए बाहर से समर्थन प्रदान करेंगे।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अब यह कांग्रेस को तय करना है कि वे भाजपा सरकार को गिराने के लिए कदम उठाएंगे या नहीं। चौटाला ने स्पष्ट किया कि जब तक उनके व्हिप में ताकत है तब तक वे बाहर से समर्थन करेंगे और उनके विधायक व्हिप के निर्देशों के अनुसार वोट करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि अगर आज फ्लोर टेस्ट हुआ तो जेजेपी विधायक सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए वोट करेंगे।

अल्पमत में नायब सैनी सरकार

विधानसभा की संख्या बल की दृष्टि से सरकार अल्पमत में आ गयी। इसका मतलब यह नहीं है कि सरकार गिर जाएगी। सदन में बीजेपी के 40, कांग्रेस के 30 और जेजेपी के 10 विधायक हैं। फिलहाल सरकार को कोई खतरा नहीं है। सैनी ने इस साल 12 मार्च को विधानसभा में शक्ति परीक्षण के बाद मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। नियम के मुताबिक दो फ्लोर टेस्ट के बीच 6 महीने का अंतर होना चाहिए। ऐसे में विपक्ष सितंबर 2024 तक अविश्वास प्रस्ताव नहीं ला सकता और इसी साल अक्टूबर-नवंबर में हरियाणा में विधानसभा चुनाव होने हैं। इसका मतलब है कि राज्य में बीजेपी सरकार सुरक्षित है। हरियाणा में तीन निर्दलीय विधायकों ने मंगलवार को भाजपा सरकार से समर्थन वापस ले लिया। वे कांग्रेस के साथ आ गए हैं और नायब सैनी सरकार संकट में। दरअसल भाजपा से नाराज तीनों निर्दलीय विधायकों के सरकार से समर्थन वापसी के पीछे विधानसभा चुनाव की टिकट है। तीनों ही विधायकों को इस बात का आभास हो गया था कि सरकार को समर्थन देने के बावजूद भाजपा आगामी विधानसभा चुनाव में उनको टिकट नहीं देगी।

बेरोजगारी और महंगाई की वजह से लिया समर्थन : गोलन

हरियाणा में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार से समर्थन वापस लेने वाले निर्दलीय विधायक रणधीर गोलन ने कहा, पिछले 4.5 वर्षों से हमने भाजपा को समर्थन दिया है। आज बेरोजगारी और महंगाई अपने चरम पर है। इसे देखते हुए, हम हमने (सरकार से) अपना समर्थन वापस ले लिया है। निर्दलीय विधायक धर्मपाल गोंदेर ने कहा, जिस समय उन्हें सरकार बनाने के लिए हमारे समर्थन की जरूरत थी, हमें बार-बार बुलाया गया...हमने तय किया था कि जब तक मनोहरलाल खट्टर सत्ता में हैं, हम समर्थन करेंगे। दुख है कि वह अब सत्ता में नहीं हैं...किसानों के हित में हम सरकार से समर्थन वापस लेते हैं।

शिवसेना-यूबीटी नेता से 2.5 करोड़ रुपये मांगने के आरोप में सेना का जवान गिरफ्तार

» ईवीएम में हेरफेर करने के लिए मांगी रिश्वत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र राज्य विधान परिषद में विपक्ष के नेता (एलओपी) दानवे ने पुलिस में एक लिखित शिकायत दर्ज कराई, जब आरोपी मारुति ढाकने (42) ने कथित तौर पर एक चिप के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों में हेरफेर करने के लिए उनसे पैसे की मांग की और दावा किया कि इससे मदद मिली। आरोपी ने अपना कर्ज चुकाने के लिए यह दावा किया। पुलिस ने कहा, वह ईवीएम के बारे में कुछ नहीं जानता। मंगलवार शाम करीब 4:00 बजे आरोपी ने केंद्रीय बस स्टैंड के पास एक होटल में यूबीटी नेता के छोटे भाई राजेंद्र दानवे से मुलाकात की। अधिकारी ने बताया कि बातचीत के बाद सौदा 1.5 करोड़ रुपये में तय हुआ।

अंबादास दानवे द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर सिविल ड्रेस में एक पुलिस टीम पहले ही स्थान पर भेज दी गई थी। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने आरोपी को उस समय रंगे हाथ पकड़ लिया, जब उसने राजेंद्र दानवे से टोकन राशि के रूप में एक लाख रुपये लिए थे। पुलिस आयुक्त ने कहा, आरोपी पर भारी कर्ज है। उसने अपना कर्ज उतारने के लिए यह चाल चली। वह मशीन (ईवीएम) के बारे में कुछ नहीं जानता। हमने उसे गिरफ्तार कर लिया है और यहां क्रांति चौक पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

लखनऊ पूर्व की दशा और दिशा तय करेगा यह चुनाव : मुकेश सिंह

» आम आदमी पार्टी ने किया साथ आने का एलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ पूर्वी से सपा कांग्रेस गठबंधन के प्रत्याशी मुकेश सिंह चौहान सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ विकास नगर इलाके में जनसंपर्क कर जनमानस से समर्थन मांगा। मुकेश चौहान अपनी पूरी टीम के साथ आज विकास नगर में कई संभ्रांत परिवारों के बीच पहुंचे और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। काफी सरल भावना के मुकेश ने अपनी शालीनता परचम लहराना प्रारंभ कर दिया है।

लखनऊ पूर्वी में जहां विधानसभा का उप चुनाव हो रहा है। जनता ने स्वेच्छा से पूरा समर्थन देनें का भरोसा दिलाया। झोपडपट्टी के रहने वाले श्यामलाल ने बताया कि पहला प्रत्याशी है जो हमारे बीच में आकर हमलोगों

का दुख दर्द जानने की जिज्ञासा जताई। उनके मुताबिक पूरा सहयोग मुकेश चौहान को वह करेंगे। जिसके बाद रहीम नगर पहुंचे मुकेश का यहां के लोगों ने जमकर अभिनंदन किया। साथ में चलकर लोगों से सहयोग भी मांगा। उधर आम आदमी पार्टी ने भी मुकेश चौहान का समर्थन करने का एलान कर कर दिया है।

कर्मचारियों के छुट्टी पर जाने से थमीं एयर इंडिया

» 300 कर्मचारियों ने नौकरी की नई शर्तों का किया विरोध

» अब तक 82 उड़ानें रद्द, यात्री परेशान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। एयर इंडिया एक्सप्रेस की 82 राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि एयर इंडिया के 300 सीनियर कर्मचारी एक साथ सिक लीव पर चले गए हैं। मंगलवार रात से बुधवार सुबह तक की 78 उड़ानों को रद्द किया गया है। लगभग 300 सीनियर केबिन क्रू सदस्यों ने आखिरी वक्त पर बीमार होने की सूचना देने के बाद अपने मोबाइल फोन को बंद कर दिया है।

सूत्रों के मुताबिक- एयर इंडिया एक्सप्रेस प्रबंधन वर्तमान में क्रू तक पहुंचने

की कोशिश कर रहा है, जो टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन में नौकरी की नई शर्तों का विरोध कर रहे हैं। एयर इंडियाा ने कहा, हमारे केबिन क्रू के कई सदस्य कल रात से आखिरी वक्त पर बीमार हो गए हैं और इस वजह से कई फ्लाइट्स को या तो कैंसिल कर दिया गया है या फिर लेट हैं, जबकि हम इन घटनाओं के पीछे के कारणों को समझने के लिए चालक दल के साथ बातचीत कर रहे हैं, इसके परिणामस्वरूप हमारे यात्रियों को होने वाली किसी भी असुविधा को कम करने के लिए हमारी टीमें सक्रिय रूप से काम कर रही हैं।

यात्रियों का पूरा रिफंड वापस करेगा एयरलाइन

एयरलाइन ने कहा, फ्लाइट कैंसिल किए जाने से प्रभावित मेहमानों को पूरा रिफंड या किसी अन्य तारीख के लिए दूसरी फ्लाइट की पेशकश की जाएगी। कई यात्रियों ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपनी उड़ानें अचानक रद्द होने की शिकायत की। उन्होंने कहा कि उन्हें उड़ानों के रद्द होने के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। एक्स पर कुछ बहुत निराश यात्रियों ने कहा कि वे हवाई अड्डे पर पहुंचे थे जब उन्हें सूचित किया गया कि उनकी उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने एक्स पर एक पोस्ट के जवाब में कहा, किसी भी असुविधा के लिए हमें खेद है। हम आपको सूचित करते हैं ऑपरेशनल कारणों के चलते उड़ाने रद्द की गई हैं।

हैदराबाद में भारी बारिश ने ली सात की जान

» चारों तरफ पानी से मची तबाही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। हैदराबाद में बारिश आसमान से आफत बनकर गिर रही है। हैदराबाद में मंगलवार शाम से ही आंधी और तेज बारिश हो रही है। मौसम में आए इस बदलाव के कारण बिजली आपूर्ति भी बाधित हुई है। बारिश और आंधी के चलते कई जगहों पर सड़कें जलमग्न हो गई है। कई जगहों पर जलजमाव के कारण लोगों को परेशान होना पड़ रहा है।

इसी बीच बुधवार को हैदराबाद में एक बड़ा हादसा भी हो गया है। हैदराबाद के बाचूपल्ली इलाके में भारी बारिश के कारण एक निर्माणाधीन भवन की दीवार

भरभरा कर गिर गई है। दिवार गिरने की घटना में एक बच्चे समेत कुल सात लोगों की मौत हुई है। बच्चे की उम्र चार वर्ष बताई गई है। घटना की जानकारी पुलिस ने बुधवार को दी है। जानकारी के मुताबिक बाचूपल्ली पुलिस का कहना है कि घटना मंगलवार रात की है और इसमें मारे गए लोग ओडिशा तथा छत्तीसगढ़ के रहने वाले प्रवासी श्रमिक थे। पुलिस ने बताया कि बुधवार सुबह खुदाई करने वाली मशीन की मदद से मलबे से उनके शव निकाले गए।

सीएम ने संभाला मोर्चा

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने स्थिति की समीक्षा भी की है। वो लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार में जुटे हुए है। वहीं भारी बारिश को देखते हुए उन्होंने स्थिति की समीक्षा भी ली है। उन्होंने अधिकारियों को सड़कों से पानी निकालने और बिजली आपूर्ति शुरू करने के लिए कदम उठाने को कहा है।

हैदराबाद और तेलंगाना के अनेक हिस्सों में मंगलवार को भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। शहर में कई जगहों पर जलभराव की वजह से यातायात अवरुद्ध रहा। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम के अधिकारियों के अनुसार आपदा राहत बल (डीआरएफ) के दलों को पानी निकालने और रास्तों पर गिरे हुए पेड़ों को हटाने के काम पर लगाया गया है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।